

পাঠ  
পাঠ 16

বাংলা শেখা

বংগলা সীখনা

শিক্ষক : বা! আপনারা তো বাংলা ভালোম্প  
বলছেন। কিন্তু, এখনও আরো  
ভাল শেখার দরকার। কথা বলার  
সময় উচ্চারণের দিকে বিশেষ  
লক্ষ্য রাখা দরকার।

১ম ছাত্র : স্যার, উচ্চারণ ভাল করার উপায়  
কি?

শিক্ষক : প্রথমে বাংলা ভালো করে শোনা  
দরকার। তাহলে আপনারা সঠিক  
উচ্চারণ বুঝতে পারবেন। এর জন্য  
রেডিওতে বাংলা সংবাদ শোনার  
অভ্যাস করুন। বাঙালী বন্ধুদের  
সঙ্গে বাংলায় কথা বলার সময়ে  
ওদের উচ্চারণের দিকে নজর  
রাখবেন।

২য় ছাত্র : স্যার, কথা বলার সময়ে সঠিক  
শব্দ মনে আসে না। তাই অনেক  
সময় বাক্য অসম্পূর্ণ থেকে  
যায়।

শিক্ষক: वाह! आपलोग तो बंगला अच्छी  
तरह बोल रहे हैं। किंतु अभी और  
भी अच्छी तरह सीखने की  
आवश्यकता है। बात करते समय  
उच्चारण की ओर विशेष ध्यान  
रखना चाहिए।

पहला : सर, उच्चारण ठीक करने का  
उपाय छात्र क्या है?

शिक्षक: पहले बंगला को ठीक से सुनना  
चाहिए। उससे आप उच्चारण ठीक  
तरह से समझ सकेंगे। इस के लिए  
रेडियो से बंगला समाचार सुनने का  
अभ्यास कीजिए। बंगाली मित्रों के  
साथ बंगला में बात करते उनके  
उच्चारण की ओर विशेष ध्यान  
रखना चाहिए।

दूसरा : सर, बात करते समय सही शब्द  
छात्र याद नहीं आता है। इससे बहुत बार  
वाक्य अधूरा ही रह जाता है।

शिक्षक : आसले सठिक शब्द आपनार जाना नैम्प। एर जन्य प्रतिदिन खबरेर कागज पड़ा दरकार। एर साथे लाम्पत्रेरी थेके बांग्ला बम्प ओ पत्रिकाओ नेओया डाल। ताहले अनेक शब्द शिखते पारबेन।

ओय छात्र : स्यार, आमरा कि करे डालो बांग्ला लेखा शिखते पारब?

शिक्षक : तारजन्य नियमित लेखा अभ्येस करा दरकार। किन्तु बांग्ला लेखा शेखार आगे डाल करे बलार, शोनार ओ पड़ार अभ्येस करा उचिं। यदि एतावे अभ्येस करेन ताहले बांग्ला लिखते कोनो असुविधाप्प हवे ना।

१म छात्र : तबुओ बांग्ला शेखा सहज नय।

शिक्षक : कोनो भाषा शेखाप्प कठिन नय। भाषा शेखा आमारे अभ्येसेर उपर निर्भर करे। विशेष करे हिन्दी भाषीदेर पक्षे तो बांग्ला शेखा खुबम्प सहज।

ओय छात्र : ह्या स्यार। हिन्दी आर बांग्ला मध्ये

शिक्षक: असल में सही शब्द आपको मालूम नहीं होता। इसके लिए प्रतिदिन समाचार पत्र पढ़ना चाहिए। इसके साथ बंगला पुस्तकें और पत्रिकाएँ भी लाईब्रेरी से लेना अच्छा है। इस से उनके शब्द जान सकते हैं।

तीसरा : सर, सुंदर लिखना कैसे संभव है? छात्र

शिक्षक: इसके लिए नियमित रूप से अभ्यास करने की आवश्यकता है। लेकिन बंगला लिखना सीखने के पहले ठीक-ठीक बोलने का अभ्यास करना चाहिए। यदि आप ऐसा अभ्यास करेंगे तो बंगला लिखना सीखने में कोई कठिनाई नहीं होगी।

पहला : फिर भी बंगला सीखना इतना छात्र आसान नहीं है।

शिक्षक: कोई भी भाषा सीखना कठिन नहीं है। भाषा सीखना हमारे अभ्यास पर निर्भर करता है। विशेष तौर पर हिंदी भाषियों के लिए तो बंगला सीखना बहुत आसान है।

छात्र : हाँ सर। हिंदी और बंगला में बहुत सारी समानताएँ हैं।

অনেক মিল আছে।

শিক্ষক : কিন্তু অমিলও কম নেই। মিল ও  
অমিল কোথায় কোথায় আছে  
লক্ষ্য রাখলে ভুল কম হবে।  
আচ্ছা এখন আপনারা বাংলাতে  
একটা গল্প লিখুন।

১ম ছাত্র : স্যার, আমি কি পঞ্চতন্ত্রের একটি  
গল্প লিখব?

শিক্ষক : আচ্ছা প্রথমে ঐ গল্পটি ক্লাসের  
সবাইকে শোনান। তারপরে সব  
ছাত্র গল্পটি নিজের ভাষায়  
লিখবেন।

শিক্ষক: लेकिन असमानताएँ भी बहुत हैं।  
समानताएँ और असमानताएँ कौन-  
कौन सी हैं, इनका ध्यान रखने से  
गलतियाँ कम होंगी। अब आप  
बंगला में एक कहानी लिखिए।

पहला : सर, क्या मैं पंचतंत्र की एक कहानी  
छात्र लिखूँ?

शिक्षक: अच्छा, पहले आप वह कहानी पूरी  
कक्षा को सुना दीजिए। बाद में सब  
छात्र अपने-अपने शब्दों में उस  
कहानी को लिखेंगे।

### शब्दार्थ

| शब्द        | अर्थ       |
|-------------|------------|
| শেখা        | सीखना      |
| লক্ষ্য রাখা | ध्यान रखना |
| উপায়       | उपाय       |
| সঠিক        | सही        |
| নিয়মিত     | नियमित     |
| তবুও        | फिर भी     |
| কঠিন        | कठिन       |

|            |              |
|------------|--------------|
| निर्भर     | निर्भर       |
| लिखून      | लिखिए        |
| शोना       | सुनना        |
| नज़र       | नज़र, दृष्टि |
| वाक्य      | वाक्य        |
| अप्रसपूर्ण | अधूरा        |
| आसले       | असल में      |
| पत्रिका    | पत्रिका      |
| मिल        | समानताएँ     |
| अमिल       | असमानताएँ    |
| गल्ल       | कहानी        |

### अभ्यास

I. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थानपर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर दो-दो नये वाक्य बनाइए।

1. বেশীক্ষণ ধরে শোওয়া ভাল নয়। (ঘুমানো, দাঁড়ানো)
2. আমার পড়া দরকার। (কাজ করা, সঁতার কাটা)
3. আমার লেখা হল না। (পড়া, দেখা)
4. ভীড় বাসে ওঠা কঠিন। (চড়া, যাওয়া)
5. ঠিক সময়ে কাজ করা উচিত। (ওঠা, খাওয়া)

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমার ঠিক সময়ে \_\_\_\_\_ অভ্যাস। (বেড়ানো, বেড়াতে, বেড়ানো)
2. ভোরবেলা ঘুম থেকে \_\_\_\_\_ স্বাস্থ্যের পক্ষে ভাল। (উঠতে, ওঠা, উঠব)
3. \_\_\_\_\_ ভাল ব্যায়াম। (সাঁতার কৌতে, সাঁতার শেখা, সাঁতার কৌ)
4. তোমার কথা কি \_\_\_\_\_ পারি ? (ভুলতে, ভোলা, ভুলি)
5. ওখানে আমার \_\_\_\_\_ দরকার। (যেতে, যাওয়া, যাবে)

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

( করা, চড়া, হাঁটা, তোলা, দেখা )

1. কুয়ো থেকে জল \_\_\_\_\_ কঠিন।
2. সকলের কাজ \_\_\_\_\_ উচিত।
3. ঘোড়ায় \_\_\_\_\_ ভাল ব্যায়াম।
4. বেশী সিনেমা \_\_\_\_\_ ভাল নয়।
5. ভীড় বাসে \_\_\_\_\_ সহজ নয়।

IV. उदाहरण के अनुसार वाक्यों को निषेधात्मक बनाइए।

উদাহরণ: বেশীক্ষণ ঘুমোনো ভাল।

বেশীক্ষণ ঘুমোনো ভাল নয়।

1. আমার ভোরবেলা চা খাওয়া অভ্যাস।
2. ছবি দেখে আঁকা সহজ।
3. হেঁটে হেঁটে অফিসে যাওয়া কঠিন।

4. लाम्पब्रेरी थेके बम्प खौजा सहज।

5. चशमा छाड़ा देखा संभव।

V. उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমার বম্প \_\_\_\_\_ অভ্যাস।

2. এম্প পেন দিয়ে \_\_\_\_\_ কঠিন।

3. আপনার কি প্রতিদিন \_\_\_\_\_ অভ্যাস?

4. না বুঝে কাজটা \_\_\_\_\_ ঠিক হয়নি।

5. আমার জন্যে \_\_\_\_\_ দরকার ছিলো না।

6. সংবাদপত্র, গল্পের বম্প ভাষা শিক্ষার \_\_\_\_\_।

7. উচ্চারণের দিকে \_\_\_\_\_ দেওয়া ভাল।

8. নিয়মিত সংবাদপত্র \_\_\_\_\_ উচিত।

9. সবার পক্ষে, ছবি \_\_\_\_\_ সহজ নয়।

10. সুস্বাস্থ্যের জন্য ভালো খাদ্য \_\_\_\_\_ করা উচিত।

पढ़िए और समझिए :

একটি চিঠি      এক চিঠী

এলাহাবাদ

৪. ০৯. ০৪

প্রিয় রজনীশ,

অনেকদিন তোমার কোনো চিঠি পাম্পনি। আশা করি তুমি ভালোম্প আছ। আমি এবার গ্রীষ্মের ছুটিতে বেনারসে যাচ্ছি। তুমিও এসো কিন্তু। আসার সময় একটা ভালো বাংলা বম্পও কিনে এনো। এখানে প্রায় বাংলা বম্প পাওয়া যায় না। লাম্পত্রেয়ীতে যত বাংলা বম্প আছে, আমার সব নেওয়া হয়ে গেছে। সেগুলো পড়াও হয়ে গেছে। এখন আর লাম্পত্রেয়ীতে নতুন কোনো বম্প পাওয়া যাচ্ছে না। আমার আবার ঘুমানোর সময় বম্প পড়ার অভ্যাস। তাম্প খুব অসুবিধাও হচ্ছে। এখানে বাংলা ভাষায় কথা বলার অভ্যেসও চলে যাচ্ছে। এখানে আমার কয়েকজন বাঙালী বন্ধু অবশ্য আছে। আমি সেখানে গিয়ে বাংলা কথা বলার অভ্যেস বজায় রাখার চেষ্টা করি। ভাষা অনুশীলনের জন্য সেম্প ভাষার গান শোনা একটা সুন্দর পদ্ধতি বলে মনে করি। আমি এখন গুজরাটি ভাষা শেখার জন্য একটা ভাষা শিক্ষাকেন্দ্রে ভর্তি হয়েছি।

যাম্প হোক, তুমি যখন আসবে তখন সামনাসামনি কথা হবে। আমি আগে থেকেম্প বেড়ানোর অনেক পরিকল্পনা করে রেখেছি। তুমি এলে তবেম্প আমরা একসঙ্গে বেড়াতে যাব। সেখানে বেড়ানোর অনেক সুন্দর জায়গা আছে।

আমি ভালো আছি। তুমি কেমন আছ? বাড়ীর বড়দের আমার প্রণাম জানিও। তুমি আমার ভালোবাসা নিও। উত্তর দিও।

ম্পতি

সঞ্জয়

শ্রী রজনীশ রায়

১৫, রামনগর রোড

কলকাতা - ৪০

হাঙ্গার্থ

| शब्द          | अर्थ                  |
|---------------|-----------------------|
| आशा करि       | आशा करता हूँ          |
| ग्रीष्म       | ग्रीष्म की            |
| छूति          | छुट्टी में            |
| नेওয়া        | लेना                  |
| নতুন          | नया, नूतन             |
| পাওয়া        | मिलना                 |
| ঘুমানোর       | सोने का               |
| কয়েকজন       | कई लोग                |
| বন্ধু         | मित्र                 |
| শিক্ষাকেন্দ্র | शिक्षा केंद्र         |
| ভর্তি         | भर्ती                 |
| অনুশীলনের     | अनुशीलन की            |
| পদ্ধতি        | पद्धति                |
| সামনাসামনি    | आमने-सामने, प्रत्यक्ष |
| পরিকল্পনা     | परिकल्पना             |
| বড়দের        | बड़ों का              |
| প্রণাম        | प्रणाम                |
| ভালোবাসা      | प्यार                 |
| স্পতি         | इति                   |

### अभ्यास

**I. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

1. পত্রলেখক গ্রীষ্মের ছুটিতে কোথায় যাচ্ছেন?
2. লেখক তার বন্ধুকে কি আনতে অনুরোধ করেছেন?
3. কোনো ভাষার অনুশীলন করার সব থেকে ভালো পদ্ধতি কি?
4. লেখক কোন ভাষা শিখতে শিক্ষাকেন্দ্রে ভর্তি হয়েছেন?
5. লেখক কিসের পরিকল্পনা করে রেখেছেন?

**II. दिए गए वाक्यों में से पाँच जोड़ी समानार्थक शब्द निकालकर लिखिए।**

1. আমরা গ্রীষ্মের ছুটিতে সবাস্প মিলে পুরী বেড়াতে যাচ্ছি।
2. আপনারা সামনাসামনি কথা বলে সব ঠিক করে নিন।
3. সোমা সর্বদাস্প বেড়ানোর জন্য তৈরী।
4. দেবকী কোন্ পদ্ধতিতে রান্না করেছে?
5. বেশি বন্ধু করা ভালো না।
6. আমি প্রত্যক্ষভাবে ঈশ্বরকে দেখিনি।
7. বেশি রোদে ঘোরাঘুরি করো না।
8. বিদেশীদের কাজের রীতিস্প আলাদা।
9. রাজা মহাশয়ের মিত্র সংখ্যা অনেক বেশি।
10. গরমকালে আমরা সবাস্প সাঁতারের ক্লাবে ভর্তি হব।

**III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।**

কলকাতা

১২.৯.০৪

प्रिय सञ्जय,

তোমার চিঠি পেলাম। সেখানে তোমার বাংলা শেখারও চেষ্টা দেখে খুবস্প খুশী হলাম। বাংলা কথা অনেকস্প বলতে পারে ও লিখতে পারে, কিন্তু ভালো বাংলা শেখা কিছু আলাদা ব্যাপার। বাংলা বস্প পাওয়া যাচ্ছে না বলে দুঃখ করো না। আমি তোমার জন্য ভালো বস্প পাঠাবার চেষ্টা করব।

আর কি? আজ এতদূর থাক্। আমি বেনারসে যাব, তারপরস্প আমি ও তুমি বেড়ানোর পরিকল্পনা করে ঘুরব।

বড়দের প্রণাম দিও এবং তুমি আমার ভালোবাসা নিও। দেখা হবে।

স্পতি

রজনীশ

শ্রী সঞ্জয় চক্রবর্তী

১২/৩ শ্রীপুর

এলাহাবাদ

#### IV. बंगला में अनुवाद कीजिए।

शिक्षा के अनेक माध्यम हैं। उनमें से टेलीविज़न भी एक सशक्त माध्यम है। हर माध्यम में कई कमियाँ, कई विशेषताएँ और कई अच्छाइयाँ, बुराइयाँ हो सकती हैं। जितनी अच्छाइयाँ और विशेषताएँ हैं हमें उनकी ओर ध्यान देना चाहिए।

टेलीविज़न में अनेक शिक्षाप्रद कार्यक्रम प्रसारित होते हैं। उनसे हमारे बच्चों को शिक्षा मिल सकती है। उनकी बुद्धिलब्धि बढ़ सकती है। वे बच्चों को तैरता देखकर तैराक बनें। दौड़ता हुआ देखकर धावक बनें। गाता हुआ देखकर गायक बनें। ऐसी प्रेरणा उन्हें मिलना चाहिए। हम अपने बच्चों को ऐसे प्रेरक कार्यक्रम देखने का अवसर दें।

टेलीविज़न को शिक्षा का एक अच्छा माध्यम बनाने के लिए हमें प्रयत्न करना चाहिए। बच्चों तथा वयस्कों को टेलीविज़न से बहुत कुछ सीखने के लिए हैं।

#### V. आपके बंगला सीखने के बारे में अपने मित्र को एक पत्र बंगला में लिखिए।

### टिप्पणियाँ

इस पाठ में क्रिया धातु से बनी संज्ञाओं का प्रयोग दिखाया गया है। ऐसी संज्ञाएँ बनाने के लिए एकाक्षरी स्वरांत धातुओं में ‘-उग्रा’ (-ओया), एकाक्षरी व्यंजनांत धातुओं में ‘-आ’ (-आ) और अन्य धातुओं में ‘नो’ (नो) जोड़ा जाता है। जैसे :

|         |              |       |
|---------|--------------|-------|
| नेउग्रा | (ने + उग्रा) | लेना  |
| याउग्रा | (या + उग्रा) | जाना  |
| शेथ     | (शेथ + आ)    | सीखना |
| शोना    | (शोना + आ)   | सुनना |
| बेड़ानो | (बेड़ा + नो) | घूमना |
| घुमानो  | (घूमो + नो)  | सोना  |

ध्यान रखें कि इन धातुज (कृदंत) संज्ञाओं से भी अन्य संज्ञाओं की तरह विभक्ति लगाकर प्रयोग कर सकते हैं। जैसे :

|          |               |          |
|----------|---------------|----------|
| बलार     | (बला + र)     | बोलने की |
| याउग्रार | (याउग्रा + र) | जाने की  |
| घुमानोर  | (घुमानो + र)  | सोने की  |



